नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....  दिनांक : 01-08-2019

## प्रकाशनार्थ

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर नवप्रवेशार्थियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महाविद्यालय सरस्वती माता का मंदिर है। यह मंदिर के समान ही पावन व पवित्र है। आराधना और अध्ययन–अध्यापक के अदभूत संगम ही किसी संस्था की सफलता का मार्ग प्रशस्त करने का मूलमंत्र है। अपने स्थापना काल से ही यह महाविद्यालय के दिनचर्या का हिस्सा है। स्वच्छता, अनुशासन, इसके अभिन्न अंग है। जिसके अभाव में शिक्षा की कल्पना नही की जा सकता। छात्रसंघ, प्रार्थना सभा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा छात्र–छात्राओं का बहुमुखी विकास किया जाता है। छात्र स्वैच्छिक श्रमदान में हिस्सा लेता एवं परिसर की स्वच्छता एवं अनुशासन में सहयोग करता है, तथा छात्र–संघ के प्रतिनिधि के रूप में वही छात्र महाविद्यालय के प्रशासन में भी प्रतिभाग करता है। छात्रसंघ की परीक्षा द्वारा चुना गया विद्यार्थी छात्रसंघ प्रतिनिधि बनता है। चयनित विद्यार्थियों में से ही चुनाव प्रक्रिया द्वारा पदाधिकारी चुने जाते हैं। छात्र–संघ अपने बजट का अधिकांश हिस्सा शैक्षणिक कार्यो में व्यय करता है। शिक्षा में तकनीकि के प्रयोग, खेल कूद के समान, छात्र–छात्राओं को स्वच्छ पानी की सुविधा, पुस्तक की खरीद जैसे मदों में छात्र–संघ व्यय करता है। छात्र संघ के सामूहिक निर्णय आम–सभा में लिए जाते है। छात्र–संघ के प्रतिनिधियों को महाविद्यालय के शिक्षकों के समान ही पुस्तकीय सुविधा प्राप्त है महाविद्यालय की दिनचर्या प्रार्थना सभा से प्रारम्भ होती है। प्रार्थना सभा महाविद्यालय के सभी योजनाओं का प्राण है, इसका आरम्भ राष्ट्रगान राष्ट्रगीत सरस्वती वन्दना, प्रार्थना तथा साप्ताहिक योग से होता है। छात्र दिनचर्या का आरम्भ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं ईश वन्दना से करता है तत् पश्चात् पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार नियमित कक्षाएँ चलती हैं। प्राचार्य ने नवप्रवेशार्थियों को बताया कि वर्षभर की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसे विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड कर सकते है। शिक्षक द्वारा पढ़ाए गये व्याख्यान भी पी.पी.टी. के रूप में महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएँ, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा व अन्य कार्यक्रमों से विद्यार्थियों का चतुर्दिक विकास होता है। अस्तु महाविद्यालय के कार्य संस्कृति से प्राचार्य ने नवप्रवेशार्थियों का परिचय कराया तथा दोनो महापुरुषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, डॉ0 अभय श्रीवास्तव, श्रीमती कविता मन्ध्यान्, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ0 यशवन्त राव, सुश्री श्वेता चौबे, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ0 शिप्रा सिंह, डॉ0 अरूण राव, डॉ0 आर.एन. सिंह, डॉ0 विजय चौधरी, डॉ0 सौरभ कुमार सिंह, सहित नवप्रवेशार्थी उपस्थित रहे।

**(श्री वागीश राज पाण्डेय)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी